राधे मान जा खिला दे दही माखन भजन लिरिक्स

राधे मान जा,
खिला दे दही माखन,
सता ना ओ राधें मान जा,
ना ना कान्हा आज ना,
सुनाई नही बंसी,
ना ना कान्हा आज ना।bd।

अब तो ना कान्हा माखन,
ऐसे खिलाऊंगी,
वंशी सुनाओ या तो,
दाम लगाऊंगी,
ओ मेरी प्यारी लल्ली,
लेके मटकी चली,
राधें मान जा,
खिला दे दही माखन,
सता ना राधें मान जा।bd।

हमको ना दोगी माखन,
छीन मैं खाऊंगा,
रास्ते मे आते जाते,
तुमको सताउंगा,
फिर बुलाना सखी,
किसी की अब न चली,
राधें मान जा,
खिला दे दही माखन,
सता ना राधें मान जा।bd।

जिद अब करो न लल्ला,
माँ से कहूंगी,
जो मेरे मन को भाती,
वंशी सुनूंगी,
रोकूंगा न गली,
ओ वृषभानु लली,
राधें मान जा,
खिला दे दही माखन,
सता ना राधें मान जा।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

जब भी कहोगी राधे,
वंशी सुनाऊंगा,
थोड़ा सा माखन देना,
घर को मैं जाऊंगा,
सचिन ने भी कही,
ओ मेरी राधे लल्ली,
जरा सा मान जा,
खिला दे दही माखन,
सता ना राधें मान जा।bd।

राधे मान जा,
खिला दे दही माखन,
सता ना ओ राधें मान जा,
ना ना कान्हा आज ना,
सुनाई नही बंसी,
ना ना कान्हा आज ना।bd।

गायक / प्रेषक – सचिन निगम।
8756825076

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com